भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4064

जिसका उत्तर 12 अगस्त, 2026 को दिया जाना है।

21 श्रावण, 1948 (शक)

ओडिशा में सेमीकंडक्टर मिशन के तहत रोजगार का सृजन

4064. डॉ. संबित पात्राः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा में सेमीकंडक्टर मिशन के तहत कितने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए जाने के लक्ष्य हैं;

(ख) क्या सरकार राज्य के युवाओं को चिप विनिर्माण और डिजाइनिंग में प्रशिक्षित करने के लिए सेमीकंडक्टर कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की किसी योजना को लागू कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का ओडिशा में स्थानीय आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों को सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के लिए तैयार करने के वास्ते उन्हें वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हाँ, तो ओडिशा में सेमीकंडक्टर मिशन के लिए स्वीकृत केंद्रीय योजना के अंतर्गत सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन और डिजाइन यूनिटों की संख्या कितनी है और प्रतिबद्ध निवेश तथा समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): सेमीकंडक्टर के महत्व को स्वीकार करते हुए, सरकार ने सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की स्थापना और भारतीय डिजाइन किए गए चिप्स को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2022 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत, सरकार ने लगभग 1.64 लाख करोड़ रुपये की कुल निवेश प्रतिबद्धताओं के साथ 12 विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इन 12 परियोजनाओं में से ओडिशा राज्य में निम्नलिखित दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है:

(i) 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक (3डीजीएस) एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड उन्नत पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सब्सट्रेट विनिर्माण इकाई स्थापित कर रही है। ग्लास पैनल सब्सट्रेट उत्पादन, असेंबली और 3डी हेटरोजिनिस इंटीग्रेशन (3डीएचआई) के लिए प्रस्तावित स्थापित क्षमता क्रमशः लगभग 5800 पैनल/माह, 4.20 मिलियन यूनिट/माह और 1100 यूनिट/माह है। इस परियोजना में 280 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर और सहायक इकाइयों में कई अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित करने की क्षमता है।

(ii) सिकसेम प्राइवेट लिमिटेड सिलिकॉन कार्बाइड एसआईसी) आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स फैब और एसेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग एंड पैकेजिंग (एटीएमपी) सुविधा स्थापित कर रही है, जिसकी फैब्रिकेशन क्षमता 5,000 वेफर्स/माह और पैकेजिंग क्षमता 8 मिलियन यूनिट/माह है। इस परियोजना में लगभग 1000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों के साथ-साथ कई अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने की क्षमता है।

इसके अलावा, चूंकि सेमीकंडक्टर उद्योग एक मूलभूत उद्योग है, इसलिए इन इकाइयों का अन्य क्षेत्रों में रोजगार सृजन और भविष्य में आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन का समर्थन करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरणों की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ये ईडीए उपकरण सेमीकंडक्टर डिजाइन के क्षेत्र में नई कंपनियों के लिए उच्च प्रवेश बाधाएं पैदा कर रहे हैं। इसलिए, सरकार ने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम की डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत ईडीए उपकरणों तक मुफ्त पहुंच को सक्षम बनाया है। ईडीए उपकरणों तक मुफ्त पहुंच का लाभ उठाने के लिए ओडिशा में एक स्टार्टअप को मंजूरी दी गई है।

सरकार ने चिप डिजाइन में उद्योग के लिए तैयार जनशक्ति प्रदान करने के लिए चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम भी शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत, अत्याधुनिक ईडीए उपकरणों तक अभिगम बिना किसी लागत के प्रदान की गई है। ओडिशा राज्य में सी2एस कार्यक्रम के तहत समर्थित संस्थानों की सूची इस प्रकार है:

#	**जिला**	**संस्थापित करना**
1	गंजम	पराला महाराजा इंजीनियरिंग कॉलेज, बेरहामपुर
2	सुंदरगढ़	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला
3	खोरधा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर
		अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर
		कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर, ओडिशा
		ट्राइडेंट एकेडमी ऑफ टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर
		सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ओडिशा
		सीक्षा 'ओ' अनुसंधान, भुवनेश्वर, ओडिशा
		सी. वी. रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ओडिशा
		बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (बीपीयूटी), राउरकेला, ओडिशा
		सिलिकॉन यूनिवर्सिटी, ओडिशा

4	संबलपुर	वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा
5	रायगढ़	गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीआईईटी) विश्वविद्यालय, गुनुपुर, ओडिशा

नाइलिट, सरकार का एक स्वायत्त समाज, उन्नत कौशल, क्षमता निर्माण, स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास, अवसरंचना के विकास और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। ओडिशा राज्य में, नाइलिट भुवनेश्वर, नाइलिट बालेश्वर में अपने विस्तार केंद्र के साथ, सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइन प्रौद्योगिकियों सहित इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी (ईएंडआईटी) में शिक्षा, कौशल और क्षमता निर्माण संबंधी पहलें शुरू की है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने देश में व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाने के लिए 60,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ उन्नत आईटीआई (पीएम-सेतु) योजना के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन शुरू किया। पीएम-सेतु योजना में एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स (एआईपी) की मदद से हब और स्पोक व्यवस्था में 1,000 सरकारी आईटीआई को अपग्रेड करने की परिकल्पना की गई है।

अपग्रेड में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब, डिजिटल सामग्री और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप नए पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस योजना का लक्ष्य भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता वृद्धि करना भी है, जिसमें वैश्विक भागीदारी के साथ प्रशिक्षकों के उन्नत प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम विकास पर ध्यान देने के साथ कौशल के लिए क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना शामिल है। पीएम-सेतु योजना के तहत आईटीआई का चयन संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) सरकारों द्वारा उद्योग के परामर्श से किया जाता है, जो उभरती कौशल आवश्यकताओं और स्थानीय औद्योगिक क्षमता के साथ संरेखण सुनिश्चित करता है।

*****